

तिब्बत के ग्लेशियर टूटने से नेपाल में आई भयंकर बाढ़ पर दो मित्रों के बीच संवाद

राहुल: नमस्ते अमित! क्या तुमने तिब्बत के ग्लेशियर टूटने से नेपाल में आई भयंकर बाढ़ के बारे में सुना?

अमित: हाँ, मैंने समाचार में देखा। इस प्राकृतिक आपदा ने नेपाल में भारी तबाही मचाई है।

राहुल: ग्लेशियर टूटने से बाढ़ कैसे आई?

अमित: ग्लेशियर का एक बड़ा हिस्सा टूटने और अचानक बड़ी मात्रा में पानी व मलबा नीचे आने से नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। इसके कारण अचानक बाढ़ आ गई।

राहुल: इस बाढ़ से किन चीजों को नुकसान हुआ?

अमित: कई घर, सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए। अनेक लोग प्रभावित हुए और कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

राहुल: क्या राहत और बचाव कार्य शुरू किए गए हैं?

अमित: हाँ। बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचकर लोगों को सुरक्षित निकाल रहे हैं। उन्हें भोजन, पानी और दवाइयाँ भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

राहुल: यह घटना बहुत दुखद है। क्या ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है?

अमित: प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोकना कठिन है, लेकिन ग्लेशियरों और मौसम की लगातार निगरानी, समय पर चेतावनी और बेहतर आपदा-प्रबंधन से नुकसान को कम किया जा सकता है।

राहुल: हमें भी पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूक होना चाहिए।

अमित: बिल्कुल। जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए पेड़ लगाना और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

राहुल: आशा है कि नेपाल के प्रभावित लोगों को जल्द सहायता मिलेगी।

अमित: हाँ, और हमें भी जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।